

भाव सर्वसं. सत्यवचनराशासुविष्टिरवशोरमुनं मउधधि न
थुकाधर्मयुनयुधिष्टीरगुला ॥ ॥ वैरावेरहरिस्त्रैवचंद्रवेराचनो
वलिनवेद्योमससावधाताः समो दयायुगेयुमे ॥ ॥ धालसा
रधालसावीशयाः वंसखरधेः तेजधालसाः चंद्रमायासिनीतेजधुलागारा
कमधालसावैराचनधेः विरधालसावलिरागाधेः गुगगापनी उति
तथासुकिरयाधर्मसचोदसदात ॥ ॥ तस्य सत्यसमीक्षातिः तेन सत्यन

कोमवेतः नवं सुत्वा ततो वाक्यः धर्मापि हर्षरूपिता ॥८॥ एतां तु
धिष्ठिराया धिष्ठिरः सत्यः गोलाया महुः युधिष्ठिराति ह्यावसेवे महुः चि
र्तसदेव लोकनः महे मंदलसः मनुष्यनः पाताल सनागला कनः
त्वगुल दुवनसः एतां युधिष्ठिर धकावः धर्म महापु त्रिगुल ॥ १॥
केत ह्येन यस्यामि यत्तु पुत्रो युधिष्ठिरः विचित्र धर्म एतेषु
आगता सो महिच्छला ॥१०॥ गुगुल ह्यनः निवन धकावः धर्म नभा
व विज्ञात पृथिवि विरसुं धर ह्यनः एतां युधिष्ठिराः पश्चिन्न त्वयमी

मिस्तिन चिन्न लपा व विज्ञात ॥ ॥ निवर्ध भारते युद्ध एतां प्रति युधि
ष्ठिर ॥ धर्म चाराल ह्येन पुत्र राज्ञी नि विक्षता ॥११॥ धोला राजा यु
धिष्ठिर भार धम पुर्ण तु वेले लसः राजा आव गो गुर ह्यन वने धर्म नभा
राजाल आव ह्यनः निक बाल गुयाव विकटनः स्वयं नर्प मय या पुः वंध
नः पृथिवि ह्यनः युधिष्ठिरा के धर्म चाराल गुयाव वन ॥ ॥ उवा हो
देव लोके तु प्राके च हस्तिनापुरिः आव लो कर्ण पुरि सर्व ह्यरे नति दूता पुन
॥१२॥ धोला चाराल देव लो के या केन वत्य नलिः हस्तिना पुर देस धर्म

देस लवया व विज्यातः सकल देस यादः गवि दुधाल साक दि कन स्व
भाय मान गुया व चोडः मुनि धाल सा वि हो र या म निनः सिया व त या
दे धाल सा सुव र्ण सः रत्न न चो या व द र व त या थ्य थ थि ड दे स लु सा
छार प तिलु वान पित्त या व चोडः सुन्दर सुन्द रि पति सेन हिति मन्द प स
गर फले अनेकः चित्र वि चित्र या ड चो या व त याः थ्य चो डः थ थि ड दे स ॥ ॥
निर्मल विपुल सुख प्रिया प्रिय त र्प नः तु व ने म त लो के सु प्र सं सार
व द स्य ते ॥ १३ ॥ ह न दे स ग थि ड धाल सा निर्मल महा ते दिः सि ड मु नि ध

व र्ण द र व ग स्व य द व ॥ ॥ त फ का च न व रा ग नां अग्नि को टि स म प्र म पु र्ण स
स्यां स मे ज्यो तिः सूर्य को टि स म प्र म ॥ १४ ॥ ह न ग थि ड धाल साः दि ने यो ल या
क क याः सुव र्ण या सि नः ते नु ला कः को टि सूर्य या ते अ थ्यः को म ल न धा
लाः पु र्ण मा या च नु मा थ्यः अग्नि को टि या सि न ते नु ला कः थ थि ड थ
दे स ह ति ना पु र धा या गु ल ॥ ॥ रा श द र स प्र के सु प्र ति हा र स द ह तः क स्मि
ह तु व सं भ व ई दे वा क्य नि म व वि ॥ १५ ॥ ध र्म च र ण ल मे ज व र व व च य व
व नी रा ना या दे स थ्य नः हा हा ग थि ड दे सः ग न थ थि ड धा य म व र ण गो ला पु र व

याथावधकावधर्मनमाशादयः ॥ ॥ पुण्ये गोकुलदर्शस्यैव रणमुविहार
 ६ ॥ राजकार्यं च तेन प्रतिहारे प्रहस्यता ॥ १६ ॥ हर्षं धर्मं वाताडालः महापुलि
 तुलः विष्णुयातजोरा थास थोः विष्णुया मुनिनिर्कं तुललाः अमानिकं तं वध
 नराजाया थापनीर्कं तुललाः धका वन्मा भनान धर्मजं राडाल खसि तुलः ॥
 ॥ मिमलेनावाच ॥ कुतो वाग हूतो प्रेताः कुतो वापि सनाग मः ॥ जाननेव
 नजानामि सुभिद्विरस्यमन्दिरं ॥ १७ ॥ ओ धर्मजं राडालः राजद्वारं स निजसचो
 दुः मिमलेन खड्गं वन्माशादयकलः हे प्रेत हूतानन वया धर्मी मांश ॥ ॥ ऐलो

श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो नमो गवते कश्यपे देवाय नमः ॥ शोराय
 नाय नमः ॥ द्राफ- तं रुगस रुसिना पुरनगरं सुभुविधिं ३ राजा शेष
 प्रसमेयं त्रगे प्राना वविद्या तत्रा रभ्या तरा राजन्म जेशे शा ये सपायन
 विपाकेने नमो ग रुवै सपायन सुखि स्वरं रुयि चिरं मा हारा ता प्रा के कच प्रच
 ला तरुप क क व प्रा व न वृक्ष वि धर प्राना वृत्ति क स्य विद्या प्रमाल च क विन
 ति प्राणा वै सपायन सुविशा आ दा प्र क ल नमो मा हारा ज त नमो ज प्रह
 लपोल प्राम न श स दे प्रह प्र क त्रिन क ने ने से विद्या रु ने गच्छी च
 ले सा हू रुपा दिन सशम स दे व या सनार द सुवि सर वि न्म प्राना

यज्ञा ज्ञा दध कल मो य प्रा वि क्रम हे स्वर द के दे व लोक ने स्या वि ज्ञा रु
ने ज्ञापि वि रचि यरा ज्ञा व प्र म दु व इ व म दु व ज्ञा व चो न म दु व क दे व लो
प्र चो न म दु व क दे व लो क मा स मा स रा र द या ज्ञा य द य क ल ग य
चा ल सा स य पा दित म म दु य म सित द या व त म मा मा य वि न य म मा
पु त्र म यि वि र य क य ज्ञापि वि र स मा न य ते वा रि च द्र रा त
सु म दु य क य प म मा मा न न्या द ले रा रा ज्ञा ह रि च द्र रा ज्ञा म लि
रा ज्ञा र चु करा ज्ञा मा न या ता रा ज्ञा य प नि प्रा स्य न स्य स रा ज्ञा रु

ज्यिष्ठि र य क जग र स जि स्य पा व त र य ज्ञापि वि र यि रा र स्य म
न स्य पा व य वि न स य पा दि त सु म दु य करा ज्ञा ज्ञापि वि र य
प्र स सा मृ ता ना व चो न य म य म सा ने डे रा यो मा हा ज्ञा न म २ न
य चो न ॥ य य ल स य म न वि त ल पा य म्मा व ज्ञा ल प न ज्ञापि वि र
रा ज्ञा य रा ज्ञे श व य य क मा ल पा चो ना य वि त न य न य ता व चो
रा रा य श य वि म रु ल स य म न ज्ञापि वि र स मा रा म म दु मा दा
मा र य चु न का व ज्ञापि वि र रा ज्ञा ज्ञा य चो न य ल स य म्मा रा

ज्ञानं त्रु रसां ज्ञपिष्टि रमा राजा पाव चो न अल सच्यश्चरज्ञानं त्रु रसा
ज्ञपिष्टि रमा राजा पाव चो न अल सचर ज्ञे स्वम च क स्वर्ग शाके
सा वि ज्ञा तच्च अल सच्य मुन ज्ञत सा म जाल उ पक प्राव च व पप्र
ज्ञपिष्टि र मा राजा स्व प्रच क मृति ह श्रीमान ज्ञा न देव लो कस
मान हसिनापुर ॥ १ ॥ अ ल

राग व संत ॥ ५ ॥ का वरा जाः आ म स्य नः वी व वर दान ॥
हा हा डे क र म स ड ई व नः चो स्या ह तः पि चा ता नः ख ना
प्र जि म न स वि मा न ॥ ग या न श्री वा चा ता नः द्य न क ल उ वा न न
डे न यो जि उ ई नी थ्य आ व ॥ १ ॥ च ता स न फ व म नः इ व या खः ल
म ना वः ह हू ना पा तो ल थ्य व रान ॥ ज र म हू पा र ज न ॥ ऊ क रा
म या ना के नः घ ने म फ त यो ज स ग न ॥ का ॥ २ ॥ त य दो स सु

यातनः रुमगमयातः त्रिनयवकरमसः ममीनाप्र ॥

उदयानाप्रानः धनजनमदेजनः नरकजरमजरथन
॥ कावराजा ॥ ३ ॥ तपयानमप्रानः वः इयकेतुमातपानः यथान
जीः गरीवजनम ॥ इयक्रतुमातपावः चनसतपावमनः नया
थैत्रिः मनेनव्यदान ॥ कावराजा ॥ ४ ॥ परतापस्यस्यत्रिनः इ
यकेतुमातपावः फयाथेजाः यानात्रुगुतीन ॥ वनीजातजरम

सः अवरत्रुस्यमनमइसहः नकरायागुन ॥ कावराजा ॥ ५ ॥ यथया
नाजनननः सकरनगथेयाहनीलसदुवः द्यावथैत्रिन्यन ॥ त
सहीतुहीनमनः वनमीमातयेकावराजाः मीप्रस्यनः वीववरन
न ॥ ६ ॥ रागविजास ॥ ७ ॥ माचवेजायठरिमाव्यथठरिठरीमा
चव्यमाकरुनिनीमा नमया ॥ ठरि रविसरनीवः वहुमहुपवरो
किगपरमाचिकसुरयसमिन्नुवन्मचव्य ॥ १ ॥ ताइकपुताइमिग

रमतीसईसम कीमिफति कुंरुवेकुचकरसाई॥आचव्य॥२॥
कथिन्नकथितसिद्धमनूपमःमचीरं॥आपरहरइमिति
सचरुचिरं॥आचव्य॥३॥कितिविष्ठीइसितोडिष्ठीवीकलो
वितं॥विहसतिजुवतिआसवसकलं॥आचव्य॥४॥सज्जन
तिहृतसिःसिततलसहेन्य॥हरिमचलोकेसुफलनप्रयो॥५॥
॥५॥जनप्रसिःसिमसिसिक्किमिविकुऊअई॥कुरुमप्रवचन

प्रतिहितमदरं॥भा॥ध॥॥६॥ रुद्रिहपयातुवः॥६॥ तुवहूमच
 रं॥किमिदिकहृदयःमनिहितविचुरं॥भा॥ध॥॥७॥ श्री
 जयदेवकःनीतमितितं॥सुखयतुरसिकजमहृद्वि
 रितं॥भा॥ध॥॥८॥

राग --- चो॥ थम म लथ म सी लः म स्य पा
सा ग्या नी जु हैं ॥ ध नं द यी ल्य क न ह्या यी २
मि स सी मा गू से ने स्य लो कः सि से थ व
वर ल व य या व ॥ १ ॥ लू तू क सी मन क व

मि म स्य दा ता या य ॥ कू व सी कू तंग
म सी ता धू तंग न व ने स्य ल्य कः सि
ध व व र ल व य या व ॥ २ ॥ लू तू क सी
स क हा से म य दि स वा ल थु स्य ॥ जो ग डू री

इमो लव्यश्चा कुनपुस्यन्यसेत्व कः/लीस्य
यवर्षलक्षणाव ॥ ३ ॥ स

SEARCHED

276

1812

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

B' P H K B P H E K e j b i k l s z

Handwritten text in Devanagari script, likely a continuation of the previous page.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

፲፱ ሁለት ስምዐን ይህንኑ ከእነዚህ አርማዎች በኋላ

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

11 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 1039 1040

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ᲙᲗ ᲑᲕ Მ᲏ ᲡᲓ ᲧᲟ ᲥᲱ ᲣᲉ Მ᲏ ᲧᲟ ᲥᲱ ᲣᲉ Მ᲏ ᲧᲟ ᲥᲱ ᲣᲉ

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ १० ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ११ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ १२ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ १३ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ १४ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ १५ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ १६ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ १७ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ १८ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ १९ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 कुरु मे प्रसादं भगवन् ॥ त्वत्प्रेमात्मिकां चित्तं
 ध्यायेत्तदा मुक्तिरश्नुते ॥ अथ श्रीभक्तिसूत्रम् ॥
 भक्तियोगो नाम ध्यानेन संपन्नस्य भगवतो यथा-
 र्थाभावेऽपि साधनाद्यैस्तद्भावप्रदानादिभिर्वा-
 षट्कारैर्विशेषज्ञानेन विविधाभिरुपायैश्च
 भगवत्प्रेमात्मिकसंयोगो भक्त्युत्पत्तिरिति सूत्रम् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ १० ॥